

वधायक हो रहे अमीर : एडीआर

चर्चा में क्यों?

हाल ही में जारी एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रफॉर्मर्स (एडीआर) और उत्तर प्रदेश इलेक्शन वॉच की एक रपिर्ट के अनुसार वधानसभा के लिये फरि से चुनाव लड़ रहे मौजूदा वधायकों की संपत्ति 220.57 परतशित तक बढ़ गई है।

प्रमुख बदि

- एडीआर ने 2022 के यूपी वधानसभा चुनाव में फरि से चुनाव लड़ने वाले 301 वधायकों/एमएलसी के स्व-शपथ पत्रों का वशिलेण करने के बाद यह रपिर्ट बनाई है।
- रपिर्ट के अनुसार, दोबारा चुनाव लड़ रहे 301 वधायकों/एमएलसी में से 284 एमएलए/एमएलसी की संपत्ति 0 फीसदी से बढ़कर 220.57 फीसदी और 17 एमएलए/एमएलसी की संपत्ति -1 फीसदी से घटकर -36 फीसदी हो गई है।
- रपिर्ट के अनुसार, नरिदलीय सहति वभिन्न दलों द्वारा फरि से चुनाव लड़ रहे इन 301 वधायकों/एमएलसी की औसत संपत्ति 2017 में 5.68 करोड़ रुपए थी, जो 2022 में बढ़कर 8.87 करोड़ रुपए हो गई है।
- 2017 और 2022 के राज्य चुनावों के बीच इन वधायकों/एमएलसी की औसत संपत्ति वृद्धि 3.18 करोड़ रुपए है, जबकि इन फरि से चुनाव लड़ने वाले नेताओं की संपत्ति में औसत परतशित वृद्धि 56 परतशित है।
- सबसे अधिक संपत्ति वृद्धि वाले शीर्ष वधायक/एमएलसी मुबारकपुर सीट से ऑल इंडिया मजलसि-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के शाह आलम (गुड्डू जमाली) हैं, जिनकी संपत्ति 2017 के 77.09 करोड़ रुपए से बढ़कर 2022 में 195.85 करोड़ रुपए (65 परतशित की वृद्धि) हो गई है।